हम पुरुष रहे अनाड़ी के अनाड़ी

'आप बहुत बड़े आर्किटेक्ट होंगे, नक्शा नवीस होंगे, आर्टिस्ट होंगे पता नहीं क्या-क्या स्केच करते हैं? लेकिन एक रोटी पटे रूपी केनवास पर बेलन रूपी कूची से इत्ते सालों में स्केच नहीं कर यानि सेंक नहीं सके?'

'सब कुछ सीखा आपने पर आटा गूँथना और रोटी बेलने की होशियारी नहीं सीखी। ऐ दुनिया वालों हम पुरुष रहे अनाड़ी के अनाड़ी।'

आदर्श बहु कोर्स

'अकेले बहु ने ही आदर्शवादी होने का ठेका नहीं ले लिया है? परिवार में और भी लोग हैं जिन्हें कि आदर्शवादी होना चाहिये। आदर्श बहु की तरह ही आदर्श सास पर सर्टिफ़िकेट कोर्स शुरू करने की ज़्यादा ज़रूरत है!'

पत्नी का पति भेदिया माड्यूल

'इस समय उसकी आँखें ऐसी अंगार बनी हुयीं थीं कि

रोटी सेंकी जा सकती थी! हाँ इस समय सेंकता तो जलीकटी रोटी ही निकलती!'

'पुलिस अधिकारियों की ख़ुफ़िया ट्रेनिंग में ऐसी पत्नियों का जो सालों-साल से सफलता पूर्वक पति भेदिया माड्यूल संचालित किये हैं का भी एक लेक्चर रखा जाये तो उनकी सफलता की दर दोगुनी हो जायेगी!'

कलावती

'तूलिका चला कर किसी माँ द्वारा दुग्धपान कराते शिशु की पेंटिंग बना डालना एक बात है और बच्चे को नौ माह पेट में रखकर उसे सुरक्षित जन्म देना दूसरी बात है।'

"सुदर्शन सोनी ने पति-पत्नी रिश्तों पर सिर्फ़ हास्य नहीं किया है, बल्कि उसकी सच्चाइयाँ उद्घाटित कीं हैं। यह बात इस संग्रह को विशिष्ट बनाती है। हर पति व पत्नी को इस व्यंग्य संग्रह को ज़रूर पढ़ना चाहिये।"

– आलोक पुराणिक

"हिन्दी व्यंग्य में सुदर्शन सोनी एक अलग तरह के प्रयोग के लिये अपने पिछले व्यंग्य संग्रह 'अगले जनम मोहे कुत्ता कीजो' से चर्चित हुए। एक ही विषय को अनेक कोणों से देखने-परखने की दृष्टि के कारण ही उनका पिछला व्यंग्य संकलन 'अगले जनम मोहे कुत्ता कीजो' चर्चित हुआ। 'पतियों का एक्सचेंज ऑफ़र भी' इसी ज़मीन पर तैयार किया गया है|"

– प्रेम जनमेजय